jkt/kkuh l) ikf'kr RNI NO. UPHIN/2010/33668

अंदाज-ए-लखनऊ

fgUnh lkIrkfgd

वर्ष-11 अंक-25 लखनऊ, शुक्रवार 05 फरवरी 2021 पृष्ठ : 8 मूल्य-1.00 रूपया

श्रीलंका में तमिलनाडु के मछुआरों को मारा जाना अस्वीकार्य-एस जयशंकर

नयी दिल्ली विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई समुद्री सीमा में मारे जाने के मामले को

भारत ने श्रीलंका के समक्ष मजबूती से उठाया है और स्पष्ट किया है कि ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं। जयशंकर ने यह बयान राज्यसभा में उस समय दिया जब तमिलनाडु के राजनीतिक दलों ने राज्य के चार मछुआरों को कथित दौर पर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा बीच समुद्र में मारे जाने के मामले को उच्च सदन में उठाया। जयशंकर ने कहा, ''हमने इस मामले को श्रीलंकाई सरकार के समक्ष पुरजोर ढंग से उठाया है और विशेषकर यह मामला तो कतई स्वीकार्य नहीं है। इस बारे में श्रीलंकाई सरकार को स्पष्ट कर दिया गया है।'' इस मामले का उठाते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के तिरुची शिवा ने कहा कि तमिलनाडु के चार मछुआरों के गायब होने की 19 जनवरी को खबर आई और चार दिन के बाद श्रीलंकाई नौसेना ने सूचना दी कि उनके शव पाक खाड़ में बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने दावा किया कि मछुआरों के नाव ने उनके जहाज में टक्कर मार दी थी। उन्होंने कहा कि मछुआरों पर बुरी तरह हमला किया गया और श्रीलंकाई नौसेना ने उनको मार डाला। शिवा ने कहा ''..वास्तव में इन मछुआरों को बेहद क्रूरता से मारा गया था। यह पहली घटना नहीं है। पहले भी ऐसा हो चुका है। मछुआरों में भय का माहौल है। उनके मछली पकड़ने के लिए जाते समय उनके परिवार यह सोच कर आशंकित रहते हैं कि पता नहीं, अब मछुआरे जीवित आएंगे या नहीं।'' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा अक्सर प्रताड़ित किया जाता है और और उन्हें इस पेशे को छोड़ने पर मजबूर किया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस घटना की निंदा करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के एम थम्बीदुरई ने शिवा का समर्थन करते हुए इस घटना की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक श्रीलंकाई नौ सेना ने हमला कर 245 मछुआरों की हत्या की है और यह सिलसिला चलता ही जा रहा है।

प्रधान से बहुत परेशान है जनता

जनपद आगरा के ब्लॉक बिचपुरी के गांव नानपुर में जनता प्रधान से बहुत परेशान है उनका कहना है कि प्रधान ने इन पांच सालों में कोई कार्य नही कराया नालियों में कीचड़ भरा है सफाई कर्मी महीने में सिर्फ एक बार आते है प्रधान से कई बार शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नही हुई जब 10 तक प्लस टीम ने प्रधान से गांव की समस्या के लिए प्रधान से बात करना चाहा तो प्रधान का कहना था कि वो निजी कार्यों में वयस्क है उन्हें गाओ की समस्या से कोई मतलब नही ।

लालू के लाल ने ब्रज में लगाई साइकिल से परिक्रमा

मथुरा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप का ब्रज से लगाव किसी से छिपा नहीं है। कभी कालिंदी किनारे तो कभी गायों के बीच वंशी बजाते नजर आते हैं। मंदिरों में दर्शन, परिक्रमा और धार्मिक क्रियाओं के लिए समय-समय पर वृंदावन में डेरा डालने वाले लालू के लाल ने बुधवार को बैटरी चलित साइकिल से वृंदावन की परिक्रमा की। बिहार के पूर्व स्वास्थ्यमंत्री व विधायक तेजप्रताप यादव बुधवार को वृंदावन की पंचकोसीय परिक्रमा में साइकिल चलाते नजर आए। पीली धोती, बगलबंदी और गले में शाल डाले ठेठ ब्रजवासी के रूप में जब तेजप्रताप को परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं ने देखा तो चकित रह गए।

किसान प्रदर्शन पर टिप्पणी करने से पहले तथ्य जांचें परखें: भारत

नयी दिल्ली भारत ने किसानों के प्रदर्शन पर पॉप गायिका रिहाना सहित विदेशों की मशहूर हस्तियों एवं अन्य लोगों की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि कृषि सुधारों के बारे में देश के किसानों के एक बहुत ही छोटे वर्ग को कुछ आपत्तियां हैं और विरोध प्रदर्शन के बारे में टिप्पणी करने की जल्दबाजी से पहले तथ्यों की जांच-परख की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, '' खास तौर पर मशहूर हस्तियों एवं अन्य द्वारा सोशल मीडिया पर हैशटैग और टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाने की ललक न तो सही है और न ही जिम्मेदाराना होती है।'' विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी पॉप गायिका रिहाना और स्वीडन की जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित कई मशहूर हस्तियों ने भारत में किसानों के विरोध प्रदर्शन के बारे में ट्वीट किया है । दरअसल, अंतरराष्ट्रीय पॉप गायिका रिहाना ने एक खबर साझा की थी जिसमें कई इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद करने और किसानों के खिलाफ केन्द्र की कार्रवाई का जिक्र किया गया था, इसके बाद लोगों ने इस पर

प्रतिक्रियाएं दी हैं। थनबर्ग ने मंगलवार को ट्वीट किया, '' हम भारत में किसानों के आंदोलन के प्रति एकजुट हैं।'' उन्होंने इसके साथ ही सीएनएन की एक खबर टैग की जिसका शीर्षक था, ''प्रदर्शनकारी किसानों और पुलिस में झड़प के बीच भारत ने नयी दिल्ली के आसपास इंटरनेट सेवा बंद की।'' मंत्रालय ने यह भी कहा कि संसद ने कृषि क्षेत्र से जुड़े सुधारवादी विधेयक पारित किये हैं। इसमें कहा गया है कि कुछ निहित स्वार्थी समूहों ने भारत के खिलाफअंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने का प्रयास किया। बयान में कहा गया है कि, '' हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि इन प्रदर्शनों को भारत के लोकतांत्रिक आचार और राज्य-व्यवस्था के संदर्भ में तथा संबंधित किसान समूहों से गतिरोध दूर करने के सरकार के प्रयासों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।''

अवैध रोहिंग्या प्रवासी 12 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में रह रहे

नयी दिल्ली सरकार ने बुधवार को बताया कि अवैध रोहिंग्या प्रवासी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में रह रहे हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अवैध प्रवासी बिना किसी दस्तावेज के, छिप कर प्रवेश करते हैं अतरू इस बारे में सटीक आंकड़े नहीं हैं कि ऐसे कितने प्रवासी देश में रह रहे हैं। राय ने बताया ''खबरों के अनुसार, ज्यादातर अवैध रोहिंग्या प्रवासी भारत में जम्मू कश्मीर, तेलंगाना, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और केरल में रह रहे हैं।''

बड़ागांव ने जीती कटारा क्लब वालीबाल प्रतियोगिता

आगरा। बाह में काशीदयाल विद्यालय के खेल मैदान पर कटारा क्लब वालीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बड़ागांव और कटारा क्लब के बीच खेला गया। इसमें बड़ागांव में जीत हासिल कर ली।

गुरुवार को पहला सेमीफाइनल कटारा क्लब और जवाहर पुरा की टीम के बीच खेला गया। इसमें कटारा क्लब ने 25-13, 25-17 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में बड़ागांव ने बाघराजपुरा को 25-15, 25-18 से हराया। फाइनल में तीन सेट के मैच में बड़ागांव ने कटारा क्लब को 25-15, 25-23 से हराकर फाइनल मुकाबला जीत लिया। मैन आफ द मैच अवनीश यादव रहे। नगर पालिका के चेयरमैन सुनील बाबू गुप्ता ने विजयी टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। रैफरी अलवेंद्र जादौन, गुड्डू भदौरिया, मुकेश शर्मा, टौनी शर्मा रहे। कमेंट्री आशुतोष नेहरू ने की। सुरेंद्र तिवारी, रमेश भदौरिया, देवेंद्र कटारा, राजहंस, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

छठवें चाहर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन अकोला के पशु हाट मैदान पर हो रहा है। इसमें गुरुवार को नगला हीरा सिंह ने पुलिस क्रिकेट क्लब को 21 रन से हरा दिया। पुलिस क्रिकेट क्लब के कप्तान प्रशांत त्यागी ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

दिल्ली बॉर्डर पर सख्त बैरिकेडिंग को मायावती ने बताया अनुचित

लखनऊ, । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिल्ली पुलिस के द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों को रोकने के लिए बॉर्डर पर कंटीले तारों और कीलों आदि वाली जबर्दस्त बैरिकेडिंग को अनुचित बताया है। उन्होंने कहा है कि इनकी बजाए यदि आतंकियों आदि को रोकने के लिए ऐसी कार्रवाई देश की सीमाओं पर हो तो यह बेहतर होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि किसानों की मांग पूरी करके स्थिति सामान्य करे। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को दिल्ली की सीमाओं पर पुलिस की सख्त बैरिकेडिंग को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि तीनों कृषि कानूनों की वापसी की वाजिब मांग को लेकर खासकर दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलित किसानों के प्रति सरकारी रवैये के कारण संसद के बजट सत्र में भी जरूरी कामकाज और जनहित के खास मुद्दे पहले दिन से ही काफी प्रभावित हो रहे हैं। केंद्र किसानों की मांग पूरी करके स्थिति सामान्य करे। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने अगले ट्वीट में आगे लिखा कि लाखों आंदोलित किसान परिवारों में दहशत फैलाने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर जो कंटीले तारों और कीलों आदि वाली जबर्दस्त बैरिकेडिंग की गई है वह उचित नहीं है। इनकी बजाए यदि आतंकियों आदि को रोकने हेतु ऐसी कार्रवाई देश की सीमाओं पर हो तो यह बेहतर होगा।

कैट: 2 माह में अमिताभ की चार विभागीय कार्यवाही समाप्त करें

लखनऊ। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के लखनऊ बेंच ने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी को आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लंबित 04 विभागीय कार्यवाहियों को 02 माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायिक सदस्य मंजुला दास तथा प्रशासनिक सदस्य ए मुखोपाध्याय की बेंच ने दिया. कैट ने कहा कि अमिताभ के विरुद्ध दिनांक 13 जुलाई 2015, 27 मई 2016, 05 अक्टूबर 2016 तथा 14 दिसंबर 2016 को शुरू की गयी चारों विभागीय कार्यवाही में संबंधित जाँच अधिकारियों द्वारा जाँच आख्या शासन को दी जा चुकी हैं, अत: जाँच पूरी करने के संबंध में श्री अवस्थी के खिलाफनिर्गत अवमानना नोटिस को निरस्त किया जाता है। साथ ही कैट ने श्री अवस्थी को न्यायहित में इन चारों विभागीय कार्यवाहियों को 02 माह में अंतिम रूप से निस्तारित किये जाने के भी आदेश दिए। अमिताभ द्वारा बार-बार अनुरोध के बाद भी ये सभी जांच अभी तक लंबित हैं।

कार और रुपयों की मांग को लेकर नवविवाहिता को जलकर मारा

लखनऊ। राजधानी में एक नवविवाहिता की दर्दनाक जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतका के पिता ने दामाद व उसके ससुरालियों पर जलाकर मारने का आरोप लगाया है। आरोप है कि दामाद ने फोन कर कहा कि सिविल अस्पताल पहुंचो तुम्हारे लिए गिफ्ट रखा है। वह अस्पताल पहुंचे तो बेटी की लाश स्ट्रेचर पर मिली। पुलिस के मुताबिक, मृतका का छह महीने पहले ही लॉकडाउन में निकाह हुआ था। मृतका के पति व ससुरालियों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। घटना तालकटोरा क्षेत्र के अशरफनगर की है। यहां के निवासी शानू खान का छह माह पूर्व निकाह सआदतगंज के बीबीगंज निवासी जोया खान (20) पुत्री मो. चांद के साथ हुआ था। इंस्पेक्टर ताल कटोरा के मुताबिक, मृतका के पिता मो. चांद ने बताया कि मंगलवार देर रात दामाद ने फोन कर उन्हें बताया कि सिविल अस्पताल पहुंचो तुम्हारे लिए गिफ्ट रखा है। वह अस्पताल पहुंचे तो बेटी की लाश स्ट्रेचर पर मिली। बेटी का पूरा शरीर जला हुआ था। मो. चांद ने बताया कि निकाह के बाद से कार और रुपयों की मांग को लेकर शानू और उसके परिवारीजन अक्सर बेटी के साथ मारपीट करते थे। कई बार उनकी छोटी-मोटी मांगे पूरी भी की। पर कार नहीं दे पाए थे। इस कारण वह बेटी को आए दिन मारते-पीटते थे। मंगलवार रात उन्होंने बेटी को पीटा और जला दिया। उसके बाद आत्महत्या का रूप देने के लिए वह बेटी को सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ताल कटोरा ने बताया कि मो. चांद की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के पति शानू समेत कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा जिला प्रभारी का प्रथम जनपद आगमन

क्षेत्रीय विधायक के निज आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

विष्णु कांत श्रीवास्तव

बछरावां रायबरेली। जनपद के नवनिर्वाचित भाजपा जिला प्रभारी विद्यासागर सोनकर का जनपद की सीमा पर क्षेत्रीय विधायक के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात जिला प्रभारी का काफिला क्षेत्रीय भाजपा विधायक रामनरेश रावत के निजआवास पर पहुंचा, जहां पर विधायक राम नरेश रावत ने वस्त्र भेंट कर सोनकर को सम्मानित किया। तद्परांत श्री सोनकर ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पार्टी के विस्तार के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि भा जा पा में हर एक सदस्य एवं पदाधिकारी परिवार की तरह हैं तथा हम सबकी यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि सरकार की लाभकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचा कर उन्हें लाभान्वित कराएं और साथ ही अन्य योजनाओं के बारे में उन्हें बताएं ताकि समाज के अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति की मदद हो सके। इस मौके पर क्षेत्रीय भाजपा विधायक रामनरेश रावत, जिला अध्यक्ष भाजपा रामदेव पाल, वरिष्ठ भाजपा नेता पशुपति शंकर बाजपेई, वरिष्ठ अधिवक्ता भाजपा नेता विद्यासागर अवस्थी, अतुल सिंह, युवा भाजपा नेता अनुभव कक्कड़, पूर्व प्रधान साहबदीन, जिलामंत्री भाजपा सरोज गौतम, जिलामंत्री भाजपा शरद सिंह, अवध क्षेत्र महिला मोर्चा की महामंत्री किरण सिंह, जिलामंत्री भाजपा महिला मोर्चा प्रीति पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेत्री सरस्वती पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह दाडी, बछरावां मंडल अध्यक्ष प्रवेश वर्मा, मयंक रंजन द्विवेदी सहित भारी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश में कोविड संक्रमण की स्थिति पूरी तरह नियंत्रित: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में कोविड संक्रमण की स्थिति पूरी तरह नियंत्रित है। संक्रमण की दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद अभी भी प्रत्येक स्तर पर पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोविड प्रोटोकॉल के अनुपालन में कहीं ढिलाई न होने पाए। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से बचाव तथा उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखी जाए। कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस का कार्य सतत जारी रखा जाए। उन्होंने कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपदों में स्थापित इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। जागरूकता सृजन के लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों सहित पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग किया जाए। कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कोविड-19 की टेस्टिंग का कार्य पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। विधान मण्डल के आगामी सत्र से पूर्व सभी सदस्यों एवं कार्मिकों का कोविड-19 टेस्ट कराया जाए।

रंगबाज रसिया का प्रभावपूर्ण मंचन

लखनऊ। आस्था नाट्य कला रंगमण्डल समिति, लखनऊ के तीन दिवसीय समारोह के अन्तर्गत द्वितीय संध्या में कशिश आर्टस एंव वेलफेयर सोसाइटी लखनऊ के द्वारा मुकेश वर्मा के द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाट्क ‘रंगबाज रसिया’ का नाट्य मंचन सायंकाल बाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाट्क अकादमी गोमती नगर, लखनऊ में भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय (संस्कृति विभाग) नई दिल्ली के सहयोग से मंचित किया गया। कथानक के अनुसार एक रंगकर्मी युवक जिसका नाम रंगबाज रसिया है। जिसकी पृथ्वी पर मौत हो जाती है। और वह स्वर्ग पहुंचता है। वहां पर सन्नाटा पसरा हुआ है कोई भी नहीं है युवक ने जब वहाँ के प्रहरी से पता किया तो पता चला कि वहां सभी देवता मनोरंजन करने में व्यस्त हैं। इन सबके बीच में उसकी मुलाकात इंद्र की पत्नी इंदाणी से ही होती है वह युवक के इरादों को भांप जाती है वह उसका विरोध करती हैं लेकिन वह इंद्राणी को अपने मकड़जाल में फंसा लेता है। उसकी मंशा चालाकी के साथ में उस पूरे लेखा-जोखा को हासिल करना होता है जिसमें वह अपनी किस्मत को पलट सके उसके लिए वह चित्रगुप्त की कथितं बेटी सोनाक्षी को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है इधर गुस्से में आए भगवान इंद्र ने रसिया को मृत्युदंड देने की ठान लेते हैं उसकी आत्मा को पृथ्वी पर ना भेजने की बात कहते हैं इन सब के पीछे की वजह सोनाक्षी के साथ उसका प्रेम प्रसंग होता है और वही जीवन बहीखाते में खिलवाड़ के आधार पर रसिया पर भगवान इंद्र गुस्सा करते हैं रसिया जवाब देता है कि भगवान पृथ्वी पर अत्याचार दुष्कर्म का प्रभाव बढ़ चुका है मैंने थोड़ा सा बदलाव कर दिया है गरीबों की झोली में पैसा और जो भूखे हैं उनके मुंह में निवाला दे दिया है मुझसे यही गलती हो गयी है, क्षमा चाहता हूं यह बात सुनकर इंदाणी आ जाती है और युवक का साथ देने की बात कहती हैं इतना ही नहीं सोनाक्षी का विवाह रसिया के साथ रहने की बात कहती है भगवान इंद्र रसिया को क्षमा कर देते है और दुष्टों को दंड देने की बात कहते है। मंच पर रंगबाज रसिया की भूमिका में विष्णु, इंद्र की भूमिका में ठाकुर देवेन्द्र देवराम, इंद्राणी की भूमिका में अनन्या ठाकुर, चित्रगुप्त की भूमिका में शक्ति मिश्रा, सोनाक्षी की भूमिका अंतिमा सिंह, पहरेदार की भूमिका में प्रखर द्विवेदी, यमराज की भूमिका में हरिओम अग्निहोत्री ने बेहतरीन अभिनय किया। मंच परे प्रकाश परिकल्पना सपन बोस, संगीत निर्देशन मो0 शारूख, स्वपनिल अग्रवाल, सेट दीपक अग्रवाल व रूप सज्जा झरना श्रीवास्तव एवं कार्यशाला निर्देशन रत्ना अग्रवाल का था। कार्यशाला निर्देशन रत्ना अग्रवाल सम्पूर्ण दृश्य परिकल्पना एवं निर्देशन मुकेश वर्मा का था।

हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आज लखनऊ पहुंचेगें

प्रान्तीय कार्यालय में होगा स्वागत, पार्टी नेताओं के साथ करेंगे बैठक

लखनऊ,। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिदंडीजी महाराज कल चार फरवरी को लखनऊ पहुंच रहे है। यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के प्रदेश नेताओं के साथ बैठक करने के बाद अयोध्या के लिये रवाना हो जायेंगे, जहां अगले दिन श्री हनुमान छतरी यात्रा के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। हिन्दू महासभा के कार्यालय सचिव सुनील तिवारी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के शहर आगमन पर बख्शी का तालाब में प्रात: 10 बजे पार्टी के प्रदेश प्रभारी शिव पूजन दीक्षित सहित दर्जनों कार्यकर्ता उनका स्वागत करेगें जहां से वह इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के सामने एमडीएस टॉवर स्थित पार्टी के प्रदेश कैम्प कार्यालय पहुंचेगें वहां मौजूद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनकी अगवानी करेगें, तत्पश्चात पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिदंडीजी महाराज हिन्दू महासभा की उत्तर प्रदेश में गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और उसके बाद अपराह्न बारह बजे पत्रकारों से वार्ता करने के बाद अयोध्या के लिये रवाना हो जायेगें।

मुख्यमंत्री योगी ने बाढ़ नियंत्रण संबंधी 146 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की बाढ़ नियंत्रण संबंधी 146 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 146 परियोजनाओं का लोकार्पण और 170 परियोजनाओं के शिलान्यास पर लगभग 1800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 146 परियोजनाओं का लोकार्पण और 170 परियोजनाओं के शिलान्यास पर लगभग 1800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च हुई है। पहले बाढ़ प्रभावित 40 जनपदों में से 24 अतिसंवेदनशील और 16 संवेदनशील श्रेणी में थे। आज प्रदेश की जनता को बाढ़ से बचाने के लिए विस्तृत कार्य योजनाओं पर कार्य हुआ है। इस दौरान मुख्यमंत्रियों ने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ बचाव के लिए हम लोगों ने पहली बार राज्य के इतिहास में कुछ नए प्रयोग किए हैं। इसके बाद अच्छे परिणाम भी आए। जनप्रतिनिधियों के साथ जब मेरी बातचीत होती है तो उन्होंने इस प्रयोग को लेकर सराहना भी की और इसे अपने इलाके में लागू करने की बात भी कही। सरयू नदी, रावती नदी में इस प्रयोग के अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

बजट सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार के लग रहे कयास

पीएम मोदी के करीबी एमएलसी अरविंद कुमार शर्मा को अहम जिम्मेदारी मिलने की भी चर्चा जोरों पर

लखनऊ - उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र 18 फरवरी से पहले प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गयी हैं। विधानसभा के उप चुनाव के साथ विधान परिषद के दो चुनाव के बाद अब योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में विस्तार के साथ फेरबदल की बारी है। इसमें कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान के बाद कमल रानी वरुण के निधन से खाली सीट के भरने अलावा छह नये मंत्रियों को भी शपथ दिलाई जा सकती है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दो दिन के प्रवास के साथ ही भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रभारी राधामोहन सिंह की लगातार सक्रियता से ही योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में विस्तार की चर्चायें जोरों पर थीं। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की इस संबंध में बैठकें भी हो चुकी हैं

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के लखनऊ दौरे में भी योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा उनके सामने हुई थी। इसी बीच सीएम योगी आदित्यनाथ की 25 जनवरी को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ भेंट के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा ने गति पकड़ ली।

ऐसा माना जा रहा है कि चार फरवरी को योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। इसमें छह नये मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी जबकि कुछ का प्रमोशन भी होगा। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट में मंत्री रहे चेतन चौहान तथा कमला रानी वरुण का निधन कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हो गया था। इसके कारण दो कैबिनेट मंत्रियों की जगह खाली हैं। नये चेहरों को भी कैबिनेट में मौका देने की तैयारी है। मंत्री पद के दावेदार विधायक दिल्ली दरबार में डेरा डाले हैं जबकि प्रदेश के नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

ऐसा माना जा रहा है कि सीएम योगी आसन्न विधानसभा चुनावों व पंचायत चुनावों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे।ऐसे में सत्ता संचालन की कमान अरविंद कुमार शर्मा के हाथों में हो सकती है।श्री शर्मा की धमक का अंदाजा उनको सीएम के 5 कालीदास मार्ग स्थित बंगले के ठीक बगल में बंगला आवंटन और रेल मंत्री पीयूष गोयल का उनके ग्रह जनपद मऊ को उनकी मांग मानने को लेकर ट्वीट करना वीआरएस लेने के अगले ही दिन

एमएलसी की घोषणा आदि बातों को लेकर सहज ही लगाया जा सकता है। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव का उपयोग करते हुए उनको ग्रह व नियुक्ति विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है।बरहाल यह कहा जा सकता है कि अरविंद कुमार शर्मा के रूप में उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बड़े पावर सेंटर की स्थापना सुनिश्चित हो चुकी है।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सरकार के संभवतः अंतिम बजट सत्र से पहले प्रदेश में राजनीति में हलचल तेज हो चुकी है। प्रदेश के योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल का विस्तार चार फरवरी को हो सकता है। उत्तर प्रदेश में 2022 फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होंगे। इसके साथ ही मार्च या अप्रैल में पंचायत के भी चुनाव होने हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में भी इस बात का ध्यान रखने की कोशिश की जाएगी।

योगी ने एमएसपी के अन्तर्गत धान खरीद की कार्यवाही तेजी से संचालित करने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एम0एस0पी0 के अन्तर्गत धान खरीद की कार्यवाही तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को 72 घण्टे के अन्दर उनकी उपज के मूल्य का भुगतान हो जाए। उन्होंने गेहूं क्रय वर्ष 2021-22 के दौरान की जाने वाली खरीद कार्यवाही की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वरासत अभियान की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए अभियान को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्विवाद उत्तराधिकार को खतौनियों में दर्ज करने की कार्यवाही निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सुनिश्चित की जाए।

गिरफ्तार पीडीपी नेता पारा को रखा जा रहा है अमानवीय दशा में

श्रीनगर पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को आरोप लगाया कि जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये उनकी पार्टी की युवा शाखा के अध्यक्ष वहीद पारा को झूठे आरोप कबूल करने के बाध्य किया जा रहा है और इसके लिए उन्हें ''अमानवीय दशा में रखा जा रहा है और उनका उत्पीड़न किया जा रहा है।'' अपने ट्वीटों में महबूबा ने कहा कि यह 'शर्मनाक और घटिया' है तथा ऐसी हरकतों से कानून व्यवस्था को अक्षुण्ण रखने की जिम्मेदारी संभाल रहे संस्थानों को बदनामी ही होती है। पूर्व मुख्यमंत्री

ने आरोप लगाया, ''जम्मू कश्मीर सीआईडी उन केंद्रीय एजेंसियों की सूची में शामिल हो गयी है जो कश्मीरियों को आतंकित करती हैं और उन्हें झूठे मामलों में फंसाती हैं....वहीद को झूठे आरोपों पर कबूलनामे के लिए प्रताडित किया जा रहा है। चूंकि कबूलनामा नहीं हुआ, इसलिए उन्हें अमानवीय दशा में रखा जा रहा है। यह जांच पहले ही दिन से फर्जी और राजनीति से प्रेरित है। पारा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के साथ कथित संबंध को लेकर गिरफ्तार किया था। उन्हें बाद में एक एनआईए अदालत से जमानत मिल गयी थी। लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें जम्मू में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और वह हिरासत में ही हैं।

सम्पादकीय

सरहदों पर किसान हमला नहीं करने वाले

दिल्ली के सरहदों पर जिस तरह की व्यवस्था शासन ने किया है, उससे ऐसा लगता है कि दिल्ली पर किसी सुपर पावर का हमला होने वाला है। सड़कों पर रोक के लिए पाकिस्तान बार्डर से अधिक मजबूत रूकावटें खड़ी की गई हैं। नुकीले कांटें लगाये गये हैं, जिससे बड़ा से बड़ा ट्रक नही जा सकता। कैंटरों में मिट्टी और कंकरीट भरकर रखा गया है, जिससे कोई पार नहीं पा सकता। ट्रेने या तो रोक दी गई हैं या उनका रूट बदल दिया गया है। इंटरनेट की सुविधाएं न केवल बार्डर पर बल्कि आसपास के क्षेत्रों में बन्द कर दी गई हैं। बड़ी संख्या में मजबूत हथियार बंद फोर्स लगायी गयी है, ताकि दिल्ली में परिंदा पर नहीं मार सके। क्या इन सबकी जरूरत थी ? क्या हमारे किसान जिनसे सरकार बात करती रही है, एकाएक इतने खतरनाक हो गये हैं। हर शासन का कर्तव्य है कि वह नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक व्यवस्था करे। दिल्ली पुलिस और केन्द्रीय प्रशासन का भी यह कर्तव्य था कि वह बार्डर से आने वाली सड़कों पर व्यवस्था करे, ताकि कुछ आवांछनीय तत्व अंदर नहीं घुसे। यह भी सच्चाई है कि 6 फरवरी को चक्काजाम करने का ऐलान किसानों ने किया है। परन्तु ऐसा पहले भी होता रहा है। चक्का जाम का ऐलान कोई नई बात नहीं है। ऐसा नहीं लगता कि किसान एकाएक इतने खतरनाक हो गये हों, जिनके लिए ये व्यवस्था आवश्यक हो। इससे देश और समाज के बारे में जो छवि विदेशों में जाती है, वह अफसोसनाक है। किसान अपनी जिद पर है यह बात भी सही है। सरकार अपनी जिद पर है, यह भी सही है। दोनों तरफसे कोई बीच का रास्ता नहीं निकल रहा है, फिर भी ऐसी कोई खतरनाक स्थिति नहीं, जिससे इस तरह की व्यवस्था जरूरी हो। दिल्ली और आस-पास के क्षेत्र गुजरात और महाराष्ट्र से अलग तरह के हैं और यहां के लोग केन्द्रीय सरकार या राजधानी के लिए इतना बड़ा खतरा नहीं है। ऐसा लगता है कि सरकार ने, एक अंग्रेजी मुहाबरे के अनुसार मक्खी मारने के लिए एक बड़ा हथौड़ा उठा लिया है। (ज्व ापसस ं सिल ूपजी ं ेसमकहम ींउउमत). इन पंक्तियों का लेखक तीन दशकों से अधिक ऐसे चुनौतियों का सामना करता रहा है और कहीं-कहीं उन चुनौतियों में भावनात्मक या साम्प्रदायिक पुट भी रहा है, परन्तु इतना डर कभी नहीं रहा कि ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता पड़ी हो। अच्छा यह होगा कि सरकार इन सब व्यवस्थाओं की जगह किसानों से बात करती रहे और 09 की जगह 90 बैठके हों, उनमें कोई दिक्कत नहीं है। भारत के विदेश मंत्री सरदार स्वर्ण सिंह ने पण्डित नेहरू के समय पाकिस्तान से अमेरिकी दबाव में बातचीत करना शुरू किया। बातचीत इतनी लंबी चली कि पाकिस्तानी उकताकार चले गये, यह भी एक तरीका है समस्या सुलझाने का। किसानों की समस्या को सुलझाने के लिए कोई रेडीमेड समाधान नहीं है, परन्तु यह समय शासन की बर्दास्त और दूरदर्शिता का है। ऐसा कभी नहीं होना चाहिये कि हमारे देश का एक भी नागरिकस्वयं को पराया समझे और उसे इतना खतरनाक समझा जाये। सरकार यदि समझती है कि इन कानूनों का रहना आवश्यक है तो वह यह बात मुस्कुराकर मोहब्बत से बार-बार कह सकती है। तोमर जी की तरह यह कहना मुनासिब नहीं है कि हमें जो प्रस्ताव देना था वह दे दिया तुम चाहो तो लो या छोड़ दो। बातचीत हमेशा जारी रहनी चाहिये और हमे अपने पड़ोसी दुश्मनों को अपनी प्रतिक्रिया पर हंसने का मौका नहीं देना है। इसमें कोई सुरक्षा की चूक शामिल नही हैं।

नेताजी पर कब्जा जमाने की हिन्दू राष्ट्रवादी कवायद

राम पुनियानी

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती (23 जनवरी) के अवसर पर देश भर में अनेक आयोजन हुए। राष्ट्रपति भवन में उनके तैल चित्र का अनावरण किया गया। केंद्र सरकार ने घोषणा की कि नेताजी का जन्मदिन हर वर्ष श्पराक्रम दिवसश् के रूप में मनाया जायेगा। रेलमंत्री ने कहा कि हावड़ा-कालका

मेल को अब नेताजी एक्सप्रेस कहा जायेगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने इस दिन को श्देश नायक दिवसश् के रूप में मनाये जाने की घोषणा की।सोशल मीडिया और मुंहजबानी प्रचार के जरिये भाजपा और उसके संगी-साथी इस झूठ को फैला रहे हैं कि कांग्रेस ने नेताजी को सम्मान नहीं दिया और यह भी कि नेताजी हिंदुत्व के हामी थे। यह सारा घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में जल्द होने जा रहे विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में हो रहा है। भाजपा किसी भी हाल में यह चुनाव जीतना चाहती है। सुभाष बोस उन राष्ट्र नायकों में से एक हैं जिन्हें भाजपा अपना घोषित करना चाहती है। नेताजी एक राष्ट्रीय नायक हैं और बंगाल में उन्हें अत्यंत श्रद्धा से याद किया जाता है। भाजपा ने इसके पहले कभी नेताजी को इतनी शिद्दत से याद नहीं किया। इस सत्य को छुपाया जा रहा है कि नेताजी भाजपा की विचारधारा के धुर विरोधी थे और यह जताने का प्रयास किया जा रहा है कि विचारधारा के स्तर पर वे वर्तमान शासक दल के काफी नजदीक थे। नेताजी समाजवाद, प्रजातंत्र और सांप्रदायिक एकता के हामी थे। भारत में जो पार्टी अभी सत्ता है वह हिन्दू राष्ट्र की पैरोकार है, विघटनकारी राजनीति में विश्वास रखती है और प्रजातंत्र और प्रजातांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। नि:संदेह नेताजी के कांग्रेस से मतभेद थे। परन्तु वे केवल स्वाधीनता हासिल करने के साधनों, उसके तरीकों तक सीमित थे। वे दो बार कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी श्भारत छोड़ो आन्दोलनश् शुरू किया। बोस का मानना था कि अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करने का सबसे अच्छा तरीका होगा जर्मनी और जापान से हाथ मिलाना क्योंकि ये दोनों देश ब्रिटेन के शत्रु थे। इस मामले में नेहरू और पटेल सहित कांग्रेस की केंद्रीय समिति के अधिकांश सदस्य गांधीजी के साथ थे और सुभाषचंद्र बोस के प्रस्ताव से असहमत थे। परन्तु यह केवल रणनीतिक मतभेद थे। कांग्रेस और बोस दोनों भारत को स्वाधीन देखना चाहते थे। इसके विपरीत, हिन्दू महासभा और आरएसएस युद्ध में अंग्रेजों की सहायता करना चाहते थे। हिन्दू महासभा के सावरकर ब्रिटिश सेना को मजबूती देने के लिए उसमें अधिक से अधिक संख्या में भारतीयों के भर्ती होने के पक्षधर थे।इसके विपरीत, बोस ने सिंगापुर में आजाद हिन्द फौज (इंडियन नेशनल आर्मी या आईएनए) बनाई। वे कांग्रेस और गांधी-नेहरू के प्रशंसक बने रहे। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि उन्होंने महात्मा गांधी को श्राष्ट्रपिता के नाम से संबोधित करते हुए पत्र लिखकर आईएनए की सफलता के लिए उनसे आशीर्वाद मांगा। आईएनए की दो ब्रिगेडों के नाम गांधी और नेहरू के नाम पर रखे गए। जहां हिन्दू महासभा और आरएसएस समाजवाद की परिकल्पना और राज्य-प्रायोजित जनकल्याण कार्यक्रमों के विरोधी रहे हैं वहीं बोस पक्के समाजवादी थे। कांग्रेस में वे नेहरू और अन्य समाजवादियों के साथ थे, जो चाहते थे कि समाजवादी आदर्शों को राष्ट्रीय आन्दोलन का हिस्सा बनाया जाए। कांग्रेस छोड़ने के पश्चात उन्होंने फॉरवर्ड ब्लाक का गठन किया, जो कि एक समाजवादी राजनैतिक दल था और उस वाम गठबंधन का हिस्सा था जिसने कई दशकों तक पश्चिम बंगाल पर राज किया। कांग्रेस भी आईएनए को अपना शत्रु नहीं मानती थी। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद जब आईएनए के अधिकारियों पर मुकदमे चलाये गए तब भूलाभाई देसाई जैसे वकीलों और जवाहरलाल नेहरू जैसे कांग्रेस नेताओं ने आईएनए के पक्ष में मुकदमा लड़ा। जवाहरलाल नेहरू ने पहली बार वकील का गाउन इसलिए पहना ताकि वे आईएनए के वीर सिपाहियों का बचाव कर सकें। यह महत्वपूर्ण है कि उस समय श्यामाप्रसाद मुखर्जी, बंगाल की मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा की मिलीजुली सरकार में शामिल थे। जब ब्रिटिश सरकार भारत छोड़ो आन्दोलन का दमन कर रही थे उस समय मुखर्जी ने ब्रिटिश हुकूमत से यह वायदा किया कि वे बंगाल में भारत छोड़ो आन्दोलन से निपट लेंगे। इसी दौरान, हिन्दू महासभा के सावरकर ब्रिटिश सेना को मजबूत बनाने में जुटे हुए थे और आरएसएस के मुखिया गोलवलकर ने एक परिपत्र जारी कर अपने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया था कि वे अपनी सामान्य गतिविधियां करते रहें और ऐसा कुछ भी न करें जिससे अंग्रेज नाराज हों। हिन्दू महासभा-आरएसएस का लक्ष्य और सपना है हिन्दू राष्ट्र। राष्ट्रवाद और हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बोस की सोच के बारे में बहुत लोग नहीं जानते। बोस ने लिखा था, श्मुसलमानों के आने के साथ देश में धीरे-धीरे एक नई सांझा संस्कृति का विकास हुआ। यद्यपि मुसलमानों ने हिन्दुओं का धर्म स्वीकार नहीं किया तथापि उन्होंने भारत को अपना देश बना लिया और यहां के सामाजिक जीवन में घुलमिल गए। वे यहां के लोगों के दुख-सुख में भागीदार बन गए। दोनों धर्मों के लोगों के मिलन से नई कला और नई संस्कृति का विकास हुआ। उन्होंने यह भी लिखा, भारतीय मुसलमान, देश की आजादी के लिए काम करते रहे हैं। अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने एक ऐसे नए राज्य की परिकल्पना की जिसमें व्यक्तियों और समूहों की धार्मिक और संस्कृति स्वतंत्रता की गारंटी होगी और जिसका कोई राष्ट्रीय धर्म न होगा श् (फ्री इंडिया एंड हर प्रॉब्लम्स से)। आरएसएस के चिन्तक लगातार यह दावा करते रहे हैं कि आर्य इस देश के मूल निवासी थे और यहीं से वे पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में गए। इसके विपरीत, श्री बोस लिखते हैं, श्ताजा पुरातात्विक प्रमाणों से...बिना किसी संदेह के यह साबित हो गया है कि भारत पर आर्यों के आक्रमण के बहुत पहले, 3,000 ईसा पूर्व में ही, यह देश एक अत्यंत विकसित सभ्यता था। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की सभ्यता की उनकी प्रशंसा निश्चित रूप से भारतीय संस्कृति की हिन्दू-आर्य जड़ों के दावे का वैज्ञानिक और तार्किक खंडन है। हिन्दू राष्ट्रवादी लम्बे समय से विवेकानंद, सरदार पटेल आदि जैसे राष्ट्रीय नायकों को अपना जता कर स्वीकार्यता हासिल करने के प्रयास करते रहे हैं। अब, जब कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं वे स्वाधीनता संग्राम के एक ऐसे शीर्ष नेता पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी विचारधारा, हिन्दू राष्ट्रवादियों की विचारधारा के एकदम खिलाफथी।

फिर से जख्मी म्यांमार

दुनिया को जैसा अंदेशा था, बिल्कुल वैसा ही हुआ, लेकिन नोबल पुरस्कार विजेता एवम् डेमोक्रेसी की प्रबल प्रहरी आन सान सू की सेना के इस खतरनाक इरादों को सूंघ नहीं पाई। पड़ोसी मुल्क म्यांमार में अंततः लोकतंत्र फिर से चोटिल हो गया है। बेइंतहा ताकतवर सेना के तख्तापलट के बाद नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी-एनएलडी की सुप्रीमो अब सेना के कब्जे में हैं। राष्ट्रपति यू विन मिंट को पदाच्युत करके सत्ता सेना प्रमुख मिन आंग लाइंग को सौंप दी गई है। उपराष्ट्रपति मिंट स्वे की कार्यकारी राष्ट्रपति के लिए ताजपोशी कर दी गई है। पांच दशक तक सत्ता में रहने के बाद म्यांमार एक बार फिर सेना की गिरफ्त में है। वहां एक साल के लिए आपातकाल घोषित कर दिया गया है। 2015 में उम्मीद जगी थी, लोकतंत्र का उदय हो गया है। संसदीय चुनाव में आन सान सू की की पार्टी एनएलडी बहुमत से सत्तारूढ़ तो हो गई, लेकिन 2008 के संविधान की जड़ों में गहरी सैन्य प्रावधान होने से न तो आन सान सू की राष्ट्रपति बन पाई और न ही एनएलडी सरकार के 2020 में सौ से अधिक संवैधानिक संशोधनों प्रस्तावों को कानून में तब्दील करा पाई। इन संशोधनों में वे अनुच्छेद भी शामिल थे, जिनकी वजह से आन सान सू की राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य करार दे दी गई थीं। इन मसौदों पर सेना के प्रतिनिधियों का विरोध स्वाभाविक था। सच में हुआ भी ऐसा। सैन्य प्रतिनिधियों की मुखालफ्त के चलते कोई भी प्रस्ताव मंजूर नहीं हो सका। कभी बर्मा नाम से पहचाने जाने वाले म्यांमार में सेना और लोकतंत्र गाड़ी के दो पहियों के मानिंद नहीं हो पाए। नतीजन लोकतंत्र बेपटरी हो गया। म्यांमार में तख्तापलट सियासत को समझने के लिए 2008 के संविधान के पन्नों को पलटना जरूरी है। वहां के सैन्य तानाशाहों की नीयत यह नहीं रही, म्यांमार की माटी में लोकतंत्र पुष्पित -पल्लवित हो। संसद की 25 प्रतिशत सीटें वहां की सेना के लिए आरक्षित हैं। ये सीटें 2008 के संविधान के मुताबिक रिजर्व हैं। इसके अलावा सेना के प्रतिनिधियों के लिए तीन अहम मंत्रालय- गृह, रक्षा और सीमा मामलों से जुड़ा मंत्रालय भी शामिल है। इसी वजह से सरकार वहां के संविधान में कोई भी सुधार करने में नाकाम रहती है। म्यांमार के संविधान की जड़ों में सेना की गहरी पैठ है। यूं तो म्यांमार अब संघीय गणराज्य व्यवस्था वाला देश है, जहां पांच साल में एक बार- एक साथ राष्ट्रीय, प्रांतीय और क्षेत्रीय स्तर पर चुनाव होते हैं। लोकतांत्रिक इतिहास में दूसरी बार हुए चुनाव में वैसे तो करीब सौ सियासी दलों ने भागीदारी की, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर दो दलों के बीच ही चुनावी जंग हुई। आन सान सू की की एनएलडी और सेना के पूर्व अफसरों की पार्टी यूएसडीपी में मुख्य मुकाबला हुआ। इसमें आयरन लेडी के दल एनएलडी के हाथों फिर सत्ता की चाबी आ गई। नवंबर 2020 के चुनावी नतीजों को म्यांमार की सेना पचा नहीं पाई। आग बबूला, लेकिन शातिर सैन्य ताकतों ने राष्ट्रपति भवन से लेकर चुनाव आयुक्त तक यह कह कर दस्तक दी, चुनाव नतीजों में बड़े स्तर पर हेराफेरी हुई है। सैन्य ताकतों को इन दोनों उच्च वैधानिक संस्थाओं से मन मुताबिक पॉजिटिव रिस्पॉन्ड नहीं हुआ तो रातों-रात बंदूकों के साए में चुनी हुई सरकार को बंधक बना लिया। सच्चाई यह है, फर्स्ट फरवरी को नई संसद का सत्र का श्रीगणेश होना था, लेकिन अल सुबह आयरन लेडी आन सान सू की , राष्ट्रपति यू विन मिंट समेत एनएलडी दिग्गज नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल सैन्य ताकतों ने लोकतंत्र के जनादेश को सैनिकों के जूतों, रायफ्लों की नोकों और ताकत की मदहोशी में कुचल दिया। सेना की सत्ता की भूख के चलते चंद बरसों बाद म्यांमार में लोकतंत्र फिर लहूलुहान है। म्यांमार का भारत से गहरा रिश्ता है। 1937 तक बर्मा भी भारत का अभिन्न अंग था। यह बाद दीगर है, ब्रिटिश राज के अधीन था। भारत और म्यांमार की सीमाएं आपस में लगती हैं। पूर्वोत्तर में चार राज्य -अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड की 1600 किमी लम्बी सीमा म्यांमार के साथ लगती है। भारत-म्यांमार के करीब 250 गांव सटे हैं। इनमें तीन लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। ये अक्सर बॉर्डर क्रॉस करते हैं। म्यांमार में बौद्धों की संख्या सर्वाधिक है। इस नाते भी भारत का सांस्कृतिक सम्बन्ध बनता है। पड़ोसी देश होने के कारण भारत के लिए म्यांमार का आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक खासा महत्व है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी म्यांमार बहुत महत्वपूर्ण है। म्यांमार न केवल सार्क, आसियान का सदस्य है, बल्कि तेजी से बढ़ते दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थ व्यवस्था का एक द्वार भी है। भारत के लिए थाईलैंड और वियतनाम सरीखे देशों के बीच वह सेतु के मानिंद भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार के पड़ोसी पहले की नीति के तहत तत्कालीन विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 2014 में म्यांमार की यात्रा की थी। आन सान सू की से भारत का विशेष रिश्ता है। इस आयरन लेडी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी श्रीराम कॉलेज में अपनी स्टडी की। इनकी माताश्री खिन की भारत में राजदूत भी रही हैं। आन सान सू की को संघर्ष करने का जज्बा विरासत में मिला है। वह म्यांमार के राष्ट्रपिता आंग सांग की पुत्री है, जिनकी 1947 में राजनीतिक हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बरसों-बरस जेल में तो रहना पसंद किया, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। भारत से सू का गहरा नाता है। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखने वाली सू की को नोबल शांति पुरस्कार के अलावा भारत का प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार भी मिल चुका है।सैन्य तख्तापटल के बाद म्यांमार के हालात नाजुक हैं। बड़े शहरों में मोबाइल, इंटरनेट डाटा और फोन सर्विस बंद कर दी गई है। सरकारी चौनल एमआरटीवी का प्रसारण नहीं हो रहा है। म्यांमार की राजधानी नेपिडॉ के साथ सम्पर्क टूट चुका है। सबसे बड़े शहर यंगून इंटरनेट कनेक्शन तक सीमित है। बीबीसी वर्ल्ड न्यूज टीवी समेत अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों को ब्लॉक कर दिया गया है। स्थानीय स्टेशन ऑफ एयर कर दिए गए हैं। बैंकों ने फ्लिहाल सभी आर्थिक सेवाओं को रोक दिया है। नकदी की कमी न हो, इस आशंका ने मद्देनजर यंगून में एटीएम के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। भारत, अमेरिका, यूएनओ, ब्रिटेन समेत दुनिया के बड़े देशों ने म्यांमार के बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताई है। भारत का विदेश मंत्रालय म्यांमार की स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है। बीबीसी दक्षिण-पूर्व एशिया के संवाददाता जॉनथन हेड ने मौजूदा हालात पर सटीक कमेंट करते हुए कहा, म्यांमार सेना का यह कदम दस साल पहले उसी के बनाए संविधान का उल्लंघन है।

म्यांमार में तख्तापलट भारत के लिए चिंता

ऐसे वक्त में जब म्यांमार के नवंबर में हुए चुनाव में भारी मतों से जीती आंग सान सू की, की पार्टी सत्ता संभालने जा रही थी, सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली। साथ ही देश में एक साल के लिये आपातकाल की घोषणा कर दी है। सेना ने सू की समेत कई शीर्ष नेताओं को हिरासत में लेकर मुख्य स्थानों पर सेना की तैनाती कर दी है। टीवी-रेडियो के प्रसारण बंद करके इंटरनेट पर रोक लगायी गई है। जिस संविधान के तहत दस साल पहले सत्ता का हस्तांतरण जनता की चुनी सरकार को किया गया था, उसी संविधान का सेना ने उल्लंघन किया है। म्यांमार के लोग पांच दशक के सैन्य शासन के दौरान जिस दमनकारी भय से मुक्त हुए थे, वह और गहरा हो गया है। दरअसल, सू की के नेतृत्व में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी यानी एनएलडी को बीते सोमवार दूसरा कार्यकाल आरंभ करना था लेकिन इससे पहले कि संसद का पहला सत्र शुरू होता, उससे कुछ घंटे पहले ही सू की समेत पार्टी के कई शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। पर्दे के पीछे सेना का खेल जारी था। उसी ने यह संविधान बनाया और 25 फीसदी सीटें सेना के लोगों के लिये आरक्षित भी कर दी थी। इतना ही नहीं, म्यांमार के तमाम महत्वपूर्ण मंत्रालयों मसलन गृह, रक्षा व सीमाओं से जुड़े मंत्रालयों पर भी सेना का ही नियंत्रण रहता है। दरअसल, ही सू की सरकार में म्यांमार की अर्थव्यवस्था के दरवाजे दुनिया के लिये खोलने के फैसले से भी सैन्य तानाशाह नाराज चल रहे थे, जो कि बंद अर्थव्यवस्था के पक्षधर रहे हैं।

नवंबर में हुए चुनाव के बाद एनएलडी के अस्सी फीसदी से अधिक मत हासिल करने और सेना समर्थित राजनीतिक दल की पराजय के बाद सेना को भय था कि कहीं सू की संविधान में संशोधन करके और ताकतवर न हो जाये। इसके साथ वे खुले कारोबार को देश के लिये खतरे के रूप में देखते हैं।

दरअसल, आजादी के बाद से ही म्यांमार की सत्ता में पकड़ रखने वाली सेना को म्यांमार में लोकतंत्र की बयार रास नहीं आती। यही वजह है कि सेना समर्थित विपक्षी पार्टी की हार के बाद धांधली के आरोप लगाकर सेना ने तख्तापलट कर दिया। हालांकि, सेना कोई भी धांधली के सबूत नहीं दे सकी। घ्हाल के दिनों में कोरोना महामारी और चुनावों में अल्पसंख्यक समुदाय के रोहिंग्याओं को मताधिकार से वंचित रखने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अवसर पाकर सेना ने तख्तापलट किया है। भारत समेत अमेरिका आदि देशों ने म्यांमार में लोकतंत्र का गला घोटने पर चिंता जतायी है। ऐसे में सैन्य सत्ता से आजिज आ चुके म्यांमार के लोगों का आक्रोश भी सामने आयेगा। वे आंग सू की को सेना के लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देखते हैं। आशंकाएं जतायी जा रही हैं कि तख्तापलट में पर्दे के पीछे चीन की भूमिका हो सकती है। चीन अपनी पहुंच म्यांमार के रास्ते अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा तक बनाना चाहता है। वैसे भी चीन को तानाशाही सत्ताएं रास आती हैं। आशंकाएं हैं कि म्यांमार में जो कुछ हो रहा है, उसके पीछे चीन की भूमिका है। दरअसल, हाल के वर्षों में चीन ने म्यांमार में खनन, आधारभूत संरचना तथा गैस पाइप लाइन आदि परियोजनाओं में भारी निवेश किया है। सैन्य शासन के दौरान चीन को अपनी मनमानी करने का अवसर मिलता है। विगत में भी सैन्य शासकों से चीन के मधुर रिश्ते रहेहैं। हाल के बयानों में चीन ने सेना प्रमुख को देश का मित्र बताया है।भारत की चौतरफा घेराबंदी करने वाला चीन जानता था कि सू की के रहते वह अपने भारत विरोधी एजेंडे को क्रियान्वित नहीं कर सकता। निस्संदेह हालिया घटनाक्रम भारत के लिये चिंता की बात है क्योंकि भारत की लंबी सीमा म्यांमार से लगती है। भारत विरोधी अलगाववादी संगठन म्यांमार सीमा पर सक्रिय रहते हैं, जिन्हें चीन से भी मदद मिलती रही है।

डीएम ने 15वें वित्त आयोग/अवस्थापना विकास निधि की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

नगर पालिका/नगर पंचायतों कार्य योजना बनाकर कराये कार्य

रायबरेली-जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव व मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल की अध्यक्षता में बचत भवन के सभागार में स्थानीय निकाय 15वें वित्त आयोग/अवस्थापना विकास निधि से कराये जाने वाले कार्यो के प्रस्ताव कार्यो को कराये जाने के लिए नगर पालिका/नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारियों एवं नगर पालिका अध्यक्ष व नगर पंचायत अध्यक्षों के साथ बैठक करते हुए कहा कि जनपद के समस्त इण्टर कालेज में आर0ओ0 लगवाये जाने एवं विकास भवन, कलेक्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यो को प्रथमिका के आधार पर नियमानुसार किया जाए। जनपद की नगर पंचायतों के साथ ही नगर पालिका परिषद स्थिति गौसंरक्षण केन्द्रों की व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखने के लिए निर्देश दिये गये। 15वें वित्त आयोग द्वारा कराये जाने वाले कार्यो हेतु नगर पालिका परिषद रायबरेली में 5 करोड़ 7 लाख 72 हजार 87 रूपये की धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। इसी क्रम में नगर पंचायत परशदेपुर में 28 लाख 99 हजार 803 रूपये, नगर पंचायत सलोन में 34 लाख 68 हजार 392 रूपये, नगर पंचायत बछरावा में 36 लाख 91 हजार 278 रूपये, नगर पंचायत डलमऊ में 28 लाख 11 हजार 103 रूपये, नगर पंचायत लालगंज में 54 लाख 6 हजार 142 रूपये, नगर पंचायत महाराजगंज में 23 लाख 24 हजार 391 रूपये, नगर पंचायत ऊँचाहार में 26 लाख 26 हजार 880 रूपये एव नगर पंचायत नसीराबाद में 47 लाख 35 हजार 207 रूपये उपलब्ध कराये गये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि उपलब्ध करायी गयी धनराशि के सापेक्ष कार्य योजना बनाकर नियामानुसार नगर पालिका/नगर पंचायत में खर्च किया जाए।

इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व पति मुकेश श्रीवास्तव, नगर मजिस्टेऊट प्रभारी अधिकारी (स्था0नि0) युगराज सिंह, सूचना विभाग के बड़े लाल यादव, मो0 राशिद रियाज सहित नगर पालिका/नगर पंचायतों के अधिशाषी अधिकारी व नगर पंचायत अध्यक्ष उपस्थित थे।

चैरी-चैरा शताब्दी समारोह का शुभारम्भ

रायबरेली-जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव व मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि चैरी-चैरा शताब्दी समारोह को जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाये। इस संदर्भ में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल ने विकास भवन के सभागार में अधिकारियों की बैठक कि जिसमें निर्देश दिये कि चैरी-चैरा शताब्दी समारोह तथा 15 अगस्त 2021 से आजादी की 75वीं वर्षगांठ के आयोजन के सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर अपने-अपने विभाग से बजट आदि की मांग भी कर लें। मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल ने निर्देश दिये कि जनपद के 9 शहीद स्थल मुंशीगंज, सेहगों एवं राजामऊ, करहिया बाजार, दौलतपुर, सरेनी, गंगागंज, मन्हेरू, कोन्सा, शंकरपुर पर साफ सफाई के साथ ही शासन द्वारा निर्धारित चैरी-चैरा शताब्दी समारोह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। डीआईओएस व बीएसए प्रातः 08:30 बजे चैरी-चैरा शताब्दी समारोह के आयोजन में प्रभातफेरी आदि भी निकाल ले इसके अलावा जहां प्रभात फेरी खत्म होकर एक सभा में परिवर्तित हो वहाँ पर वन्देमातरम गीत का गायन भी कराये।

व्हाइट टीम ने रेड टीम को 109 रनों से पराजित

रायबरेली -रायबरेली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) की ओर से आयोजित की जा रही अण्डर-19 चैलेन्जर ट्रॉफी जिला क्रिकेट लीग के आज सातवें दिन पहला मैच एफज़ीआईईटी ग्राउण्ड में आरडीसीए 'रेड' व आरडीसीए 'व्हाइट' टीम के मध्य खेला गया, जिसमें व्हाइट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सौरभ निर्मल के 43 रन व प्रियान्शु वर्मा के 41 रनों की बदौलत निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 244 रन बनाए। रेड टीम की ओर से गेंदबाजी में नितिन मिश्रा व अभिजीत दुबे ने 3-3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेड टीम महज 26 ओवरों में 135 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। व्हाइट टीम की ओर से गेंदबाजी में आयुष यादव ने 4 विकेट हासिल किये। इस तरह खेले गए इस मैच में व्हाइट टीम ने रेड टीम को 109 रनों से पराजित किया।

इसी तरह दिन का दूसरा मैच आरडीसीए येलो व आरडीसीए ब्लू के बीच पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्लू टीम ने निर्धारित ओवरों में अमन पांडेय के 100 रन व राज सिंह के 74 रनों की बदौलत निर्धारित ओवरों में 208 रन 9 विकेट खोकर बनाए। येलो टीम की ओर से गेंदबाजी में अनुभव पटेल ने 3 विकेट व अस्मित सिंह ने 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए येलो टीम महज 24 ओवरों में 136 रन बनाकर सिमट गई। येलो टीम की ओर से सर्वाधिक योगदान आर्यवर्धन सिंह ने 54 रनों का दिया। ब्लू टीम की ओर से अंकुर शुक्ला ने 4 महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की। इस तरह खेले गए इस मैच में ब्लू टीम ने येलो टीम को 72 रनों से शिकस्त दी। इन मैचों में अम्पायरिंग अविनाश, कार्तिक, आदित्य व सचिन ने की जबकि स्कोरिंग प्रभु दयाल व आशीष ने की। इस मौके पर लीग के आयोजन सचिव यू0सी0 काला, लीग कोआर्डीनेटर जितेन्द्र मिश्रा व लीग के संयोजक आशीष त्रिपाठी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। लीग के आयोजन सचिव ने बताया कि लीग के क्रम में कल पहला मैच आरडीसीए ग्रीन व आरडीसीए व्हाइट के बीच पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में तथा दूसरा मैच आरडीसीए रेड व आरडीसीए येलो के बीच एफज़ीआईईटी ग्राउण्ड पर प्रातः 09 बजे से खेला जाएगा।

महिला उत्पीड़न की जनसुनवाई की बैठक सम्पन्न

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने महिला उत्पीड़न की सुनवाई को जन-जन तक पहुचाने के लिए दिये निर्देश-अंजू प्रजापति

रायबरेली-उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने पी0डब्ल्यू0डी0 गेस्ट हाउस में महिलाओं से जुड़े उत्पीड़न व उनकी समस्याओं से जुड़े कई मुद्दो के बारे में जिले के अधिकारियों से समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने महिला जन सुनवाई करते हुए एक महिला फरियादी रीता निवासी थाना मिलएरिया, द्वारा घरेलू हिंसा, तलाक आदि की शिकायत महिला आयोग की सदस्य से की जिस पर महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने महिला ने सचिव जिला विधिक साक्षरता प्राधिकरण मंयक जायसवाल व महिला थाना अध्यक्ष को निर्देश दिये कि इस प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित महिला की रिपोर्ट और दोनो पक्षों की बात को सुनकर अपने स्तर से कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जन सुनवाई के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि महिलाओं के उत्पीड़न व महिला से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये तथा महिलाओं उत्पीड़न से सम्बन्धी का प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के स्तर पर कराया जाये जिससे अधिक से अधिक महिलाएं जागरूक होकर लाभ ले सके। उन्होंने महिलाओं की सभी प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए कहा कि पीड़िताओ की रिपोर्ट और दोनो पक्षों की बात को सुनकर अपने स्तर से कार्यवाही करें। जन सुनवाई के दौरान और भी कई प्रकरण आये उस पर उन्होंने जिले के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो भी प्रकरण है.

सोने में लगातार पांचवें सत्र में गिरावट, चांदी 163 रुपये हुई महंगी

नयी दिल्ली। सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 163 रुपए की गिरावट के साथ 46,738 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,901 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 530 रुपये के लाभ के साथ 67,483 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पिछले कारोबारी सत्र में 66,953 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर थी।

विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को आरंभिक कारोबार के दौरान रुपया तीन पैसे मजबूत होकर 72.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,810 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 26.71 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

शेयर बाजार में शुक्रवार को पांचवें दिन भी तेजी बनी रही और बीएसई सेंसेक्स 117 अंक की बढ़त के साथ रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। रिजर्व बैंक के नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं करने लेकिन वृद्धि को गति देने के लिये उदार रुख बनाये रखने और नये नकदी उपायों की घोषणा बाद बाजार में यह तेजी आयी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स एक समय 51,000 अंक के स्तर को पार कर गया था। लेकिन अंत में यह 117.34 यानी 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,731.63 अंक की नई ऊंचाई पर बंद हुआ। इसी प्रकार, 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी एक समय 15,000 अंक से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन बाद में इसमें कुछ गिरावट आयी और अंत में यह 28.60 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,924.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में भारतीय स्टेट बैक (एसबीआई) रहा। इसमें 10.69 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा कोटक बैंक, डा. रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति और एचसीएल टेक शामिल हैं। इनमें 3.30 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। इससे पहले, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और सरकार के उच्च स्तर पर कर्ज को प्रबंधित करने के लिये पर्याप्त नकदी के जरिये अर्थव्यवस्था को समर्थन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति को लक्ष्य के दायरे में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को गति देने और कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिये जबतक जरूरी हो, उदार रुख रखने का आम सहमति से निर्णय किया।

सरकार के अधिक उधारी को देखते हुए, केंद्रीय बैंक ने खुदरा निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों में सीधे निवेश का विकल्प दिया है। इसके अलावा आरबीआई ने जो अन्य उपाय किये, उनमें लक्षित दीर्घकालीन रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) व्यवस्था के तहत सदा सुलभ आधार पर कर्ज को लेकर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को शामिल करना, नये एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को कर्ज देने को लेकर कम सीआरआर (नकद आरक्षित अनुपात) के रूप में बैंकों को प्रोत्साहन देना आदि शामिल हैं। शेयरखान बाई बीएनपी परिबा के पूंजी बाजार रणनीति प्रमुख गौरव दुआ ने कहा, ''आरबीआई ने आशा के अनुरूप नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि जो बातें कहीं, वह काफी उदार हैं।

आरबीआई ने उदार रुख बनाने रखने की बात कही है। साथ ही वह यह सुनिश्चित करेगा कि सरकार के उधारी कार्यक्रम के लिये पर्याप्त नकदी हो।'' उन्होंने कहा, ''...अत: राजकोषीय और मौद्रिक दोनों नीतियां आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने वाली होंगी। यह बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिये अच्छी खबर है...।'' सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 4,445.86 अंक यानी 9.60 प्रतिशत जबकि निफ्टी 1,289.65 अंक यानी 9.45 प्रतिशत मजबूत हुए। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी प्रोत्साहन को लेकर उम्मीद से तेजी बनी हुई है। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्की लाभ में रहे जबकि शंघाई कंपोजेट सूचकांक नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में तेजी रही। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59.56 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की बढ़त के साथ 72.93 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के पास उपलब्ध अस्थायी आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 1,936.74 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

Twitter को टक्कर देने आ गया भारत का कू ऐप, जुड़ चुके है यह सेलिब्रिटिज

भारत-चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच मोदी सरकार अब चीनी ऐप्स को बाय-बाय करने में जुट गई है जहां एक तरफ भारत में चीनी ऐप्स को बैन करने का सिलसिला जारी है वहीं पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर नारे को ध्यान में रखते हुए अब भारतीय वर्जन में ऐप तैयारी किए जा रहे है। जिस तरीके से चीनी ऐप टिकटॉक को बैन करने के बाद भारत में इसी की तरह कई ऐप लॉन्च किए गए वहीं अब ट्विटर का भी भारतीय वर्जन कू ऐप लॉन्च **(Koo App launched)** हुआ है।

कू ऐप ट्विटर की ही तरह एक भारतीय वर्जन प्लेटफॉर्म है जिसमें आप अपने खुद की भाषा में कई तरीके की आइडिया, विचारों को शेयर और पोस्ट कर सकते है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कई लोग अपने ही भाषा में बात करना या अपने विचारों को व्यक्त करते है, ऐसे में ख्रश्रश्च ड्डश्रश्च लोगों को इंगलिश भाषा के बजाय अपने भाषाओं में चैट करने का प्लेटफॉर्म देगा। यह ऐप बिल्कुल ट्विटर की तरह है, इसमें आप तस्वीरों और वीडियो के साथा-साथ अपने विचारों को भी बड़ी आसानी से पोस्ट और अटैच कर सकते है। इसके अलावा आप दूसरे के पोस्ट पर कमेंट भी कर सकते है। जिस तरीके से ट्विटर पर आप अपने दोस्तों और सेलिब्रिटिज को फॉलो करते है उसी की तरह आप कू ऐप में लोगों को फॉलो कर सकते है। ट्विटर की ही तरह इसमें ऑडियो, वीडियो और टेक्स्ट का ऑप्शन भी होगा।

हिंदी और इंगलिश के अलावा, तमिल, कन्नड, और तेलगु भाषा भी शामिल किया गया है। भविष्य में इस ऐप में मराठी, गुजराती, पंजाबी, आसामी, बांग्ला, मलयालम, उड़िया जैसी भाषाएं भी शामिल की जाएगी। यह ऐप एंड्रॉइड और द्बह्य दोनों में ही उपलब्ध है।

बता दें कि इस ऐप में आम लोगों के अलावा पॉलिटिशन, न्यूज पब्लिकेशन, सेलिब्रेटी भी जुड़ चुके है। इस ऐप में भारतीय पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले, फ़िल्मी जगत से रेणुका शहाणे, आशुतोष शहाणे और धर्म गुरु सदगुरु, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डॉ सी एन अश्वथ नारायण जुड़ें हुए हैं।

ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सेरेना विलियम्स ने पुख्ता की ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलियाई ओपन की अपनी तैयारियां पुख्ता करते हुए 23 बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सेरेना विलियम्स ने अमेरिका की ही डेनियेले कोलिंस को 6 . 2, 4 . 6, 10 . 6 से हराकर यारा रिवर क्लासिक टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में सेरेना का सामना शीर्ष रैंकिंग वाली एशले बार्टी से होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन आठ फरवरी से शुरू होगा। इससे एक दिन पहले छह टूर्नामेंट के सारे मैच स्थगित करने पड़े थे क्योंकि टूर्नामेंट होटल का एक कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। बार्टी ने शेल्बी रोजर्स को 7 . 5, 2 . 6, 10 . 4 से शिकस्त दी।

निवेशकों को सीधे सरकारी प्रतिभूति बाजार में प्रवेश की इजाजत देगा

मुंबई। छोटे निवेशकों को सरकारी बॉन्ड में सीधे निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के एक प्रमुख कदम के तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह उन्हें सरकारी बॉन्ड सीधे खरीदने की इजाजत देगा। भारत ऐसा करने वाला एशिया में पहला देश होगा और दुनिया में कुछ ही देशों में इसकी इजाजत है। आरबीआई के इस कदम से सरकार को कर्ज लेने के लिए एक बड़ा साधन मिल जाएगा। अगले वित्त वर्ष में सरकार द्वारा 12 लाख करोड़ रुपये के उधारी लक्ष्य को पूरा करने के मद्देनजर केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि इस कदम से खासतौर से गिल्ट बाजार और व्यापक रूप से ऋण बाजार का विस्तार होगा। इस तरह आरबीआई ने सरकार के लिए उधार लेने का एक बड़ा और अनंत रास्ता खोल दिया है, जैसा कि अभी घरेलू शेयर बाजार में किया जाता है।

हालांकि, अंतर यह है कि ऐसा आरबीआई की निगरानी में होगा। इस समय आरबीआई छोटे निवेशकों को बीएसई और एनएसई पर गोबिड मंच के जरिए सरकारी बॉन्ड खरीदने की इजाजत देता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, ''सरकारी प्रतिभूतियों में खुदरा भागीदारी बढ़ाने और पहुंच को आसान बनाने के लिए जारी प्रयासों के तहत एग्रीगेटर मॉडल से आगे बढ़ने और खुदरा निवेशकों को आरबीआई के साथ गिल्ट प्रतिभूति खाता (रिटेल डायरेक्ट) खोलने की सुविधा के साथ सरकारी प्रतिभूति बाजार- प्राथमिक और द्वितीयक, दोनों बाजारों में सीधे ऑनलाइन पहुंच देने का निर्णय किया गया है।''

सलमान खान ने किसान आंदोलन पर तोड़ी

किसान आंदोलन की गूंज अब सिर्फ सड़क पर ही नहीं, सोशल मीडिया पर देश-विदेश तक गूंज रही हैं। हॉलीवुड के सेलेब्स ने किसानों के हक में आवाज उठाई तो बॉलीवुड सेलेब्स ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। इस मामले पर बॉलीवुड भी दो मोर्चों पर लड़ता दिख रहा है। रिहाना, मिया खलीफा सहित कई हॉलीवुड सेलेब्स के ट्वीट्स के बाद अक्षय कुमार, लता मंगेशकर, सुनील शेट्टी, अजय देवगन, कंगना रनौत सहित कई बॉलीवुड सेलेब्स ने देश की एकता को बनाए रखने और भारत के खिलाफएजेंडा चलाने वालों से बचकर रहने को कहा। लेकिन बॉलीवुड के तीनों खान ने इस मामले पर अभी तक चुप्पी साधी हुई थी, अब बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान ने इस मामले पर अपनी राय रखी है। अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के ट्वीट के बाद बॉलीवुड से लेकर तमाम खिलाड़ी और नेता किसान आंदोलन पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच जब सलमान खान एक इवेंट में पहुंचे तो उन्हें भी इस सवाल का सामना करना पड़ा। हालांकि सलमान खान सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते दिखे। गुरुवार को सलमान मुंबई में एक म्यूजिक शो के लॉन्च के दौरान पहुंचे। इसी दौरान वह मीडिया से बात करने के लिए आए। सलमान खान से पूछा गया कि देशभर में इन दिनों किसान आंदोलन की चर्चा हो रही है और कई सितारे भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं ऐसे में वह क्या कहना चाहेंगे ? इस सवाल पर अभिनेता ने बिल्कुल संतुलित अंदाज में जवाब दिया। तीनों खान अभिनेताओं में सलमान खान ने किसान आंदोलन पर चुप्पी तोड़ी है। अभी तक शाहरुख खान और आमिर खान की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है। सलमान ने कहा कि 'बिल्कुल मैं इस पर बात करूंगा, जरूर करूंगा। जो भी सही है वह जरूर होना चाहिए। जो ठीक है वह होना चाहिए। सही चीजें होनी चाहिए सबके साथ।' इस मुद्दे पर सलमान खान ने बड़ी सेफ तरीके से जवाब देकर किसान आंदोलन के मुद्दे पर कुछ भी ज्यादा नहीं बोला। किसान आंदोलन की आड़ में भारत को बदनाम करने की विदेशी साजिश को लेकर हाल ही में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर और को लेकर ट्वीट किया था. इसी ट्वीट के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू की थी।

नव्या नवेली एक्टर अभिषेक को मानती है बेस्ट फ्रेंड ?

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन आज अपना 45वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। जन्मदिन के खास मौके पर उनके परिवार से लेकर उनके चाहने वाले एक्टर को अपना ढेर सारा आशीर्वाद और प्यार दे रहे हैं। इस दौरान अभिषेक की भांजी यानी नव्या नवेली नंदा ने बेहद अलग ही अंदाज में अपने एक्टर मामा को बर्थडे विश किया है। मालूम हो नव्या सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। ऐसे में मामा के बर्थडे के खास मौके पर भी नव्या ने एक पोस्ट शेयर की है जो अब सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रही है। श्वेता बच्चन की बेटी नव्या ने मामा अभिषेक बच्चन को जन्मदिन की बधाई कुछ अलग स्टाइल में दी है। इस दौरान नव्या ने मामा के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की है साथ ही उन्होंने इस तस्वीर के साथ बेहद प्यार कैप्शन भी लिखा है। वहीं नव्या के इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर लोग काफी ज्यादा पसंद भी कर रहे हैं। नव्या ने मामा अभिषेक के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है हैप्पी बर्थडे बेस्ट फ्रेंड। इसके बाद दिल के इमोजी के इस्तेमाल के बाद कैप्शन में आगे लिखा है, शबीतीं और आने वालीं छल्ब् नाइट्स और चेल्सी गेम्स के लिए। परिवार के आप मेरे पसंदीदा सदस्य बने रहो, मेरे क्राइम पार्टनर। बता दें नव्या ने कुछ वक्त पहले ही अपना सोशल मीडिया अकाउंट पब्लिक किया था। जिसके बाद नव्या कई तस्वीरें साझा कर चुकी हैं।

ऐश्वर्या नहीं, करिश्मा कपूर के होते अभिषेक

बॉलिवुड ऐक्टर अभिषेक बच्चन 5 फरवरी के अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। उनका जन्म 1976 में हुआ था। उनके माता-पिता अमिताभ बच्चन और जया बच्चन फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स हैं। हालांकि, फिल्मों के लिहाज से देखें तो अभिषेक का करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कभी उनके हिस्से हिट फिल्में आई तो काफी बार उन्हें फ्लॉप्स का सामना करना पड़ा। वहीं, उनकी पर्सनल लाइफभी कम दिलचस्प नहीं रही। अभिषेक बच्चन ने साल 2000 में डायरेक्टर जेपी दत्ता की फिल्म रिफ्यूजी से बॉलिवुड डेब्यू किया था। वह फिल्म में करीना कपूर के ऑपोजिट नजर आए थे लेकिन फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी। इसके बाद अभिषेक की कुछ और फिल्में लगातार फ्लॉप रहीं। साल 2004 अभिषेक के लिए अच्छा साबित हुआ। इस साल रिलीज हुई उनकी फिल्में रन, युवा ,धूम को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह सरकार, कभी अलविदा ना कहना और गुरु जैसी फिल्मों में नजर आए जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।फिर अभिषेक का करियर ऊपर-नीचे होता रहा। वह कई मल्टीस्टारर फिल्मों में नजर आने लगे। वह बंटी और बबली, दस, ब्लफमास्टर, झूम बराबर झूम, सरकार राज, दिल्ली-6, रावण, प्लेयर्स, दम मारो दम, बोल बच्चन, हैपी न्यू इयर, हाउसफुल 3 और मनमर्जियां जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे। पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2002 में अमिताभ बच्चन के 60वें जन्मदिन के मौके पर अभिषेक बच्चन ने करिश्मा कपूर के साथ अपनी सगाई का ऐलान किया था। सगाई के बाद करिश्मा ने कहा था, इस परिवार का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। हालांकि, कुछ महीने बाद ही जनवरी में दोनों की सगाई टूट गई। अभिषेक बच्चन और करिश्मा कपूर की सगाई टूटने के बाद दोनों परिवारों ने इस बारे में बात नहीं की। हालांकि, कहा जाता है कि दोनों का रिश्ता खत्म होने के पीछे की वजह करिश्मा की मां बबिता कपूर थीं। बबिता के बारे में यह बात सभी जानते हैं कि अपने पति रणधीर कपूर से अलग होने के बाद उन्होंने अकेले दोनों बेटियों करिश्मा और करीना की परवरिश की। बबिता पैसों की कीमत जानती थीं और चाहती थीं कि उनकी बेटियों को जिंदगी में कभी कोई कमी न देखनी पड़े। अभिषेक को डेट करते वक्त करिश्मा जानी-मानी ऐक्ट्रेस थीं जबकि अभिषेक अपनी पहचान बनाने में लगे थे। दूसरी तरफ, प्रॉडक्शन हाउस ठीक तरह से न चल पाने के कारण बच्चन परिवार आर्थिक तंगी और कर्ज का सामना कर रहा था। खबरों की मानें तो बबिता चाहती थीं कि उनकी बेटी का भविष्य सुरक्षित रहे और इसके लिए उन्होंने एक अग्रीमेंट की बात की। इसमें यह मांग की कि अमिताभ अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा बेटे अभिषेक को ट्रांसफर करें ताकि करिश्मा फाइनैंशिली सिक्योर रहें। बच्चन परिवार ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और फिर रिश्ता टूट गया। करिश्मा संग रिश्ता खत्म होने के चार साल बाद 14 जनवरी 2007 को अभिषेक ने ऐक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ सगाई कर ली। इसके बाद 20 अप्रैल 2007 को जुहू स्थित बच्चन परिवार के बंगले प्रतीक्षा में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। शादी के बाद 16 नवंबर 2011 को दोनों की बेटी आराध्या बच्चन का जन्म हुआ।

करीना कपूर इस महीने कभी भी दे सकती हैं अपने दूसरे बच्चे को जन्म

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक करीना कपूर खान इस महीने दोबारा मां बनने वाली हैं। इन दिनों करीना की प्रेगनेंसी का आखिरी महीना चल रहा है ऐसे में अभिनेत्री हमेशा की तरह इस टाइम को भी खूब अच्छे से एंजॉय कर रही हैं। इस बीच करीना ने बीते गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए एक बेहद ही प्यारा वीडियो साझा किया है। करीना ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए इस वीडियो को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा है,9 महीने और लगातार हो रही हूं मजबूत। वीडियो में आप देख सकते हैं करीना ने अपने दोनों हाथों को बेबी बंप को थमा हुआ है। इस बीच करीना एक बार कैमरे की ओर निहार रहीं हैं तो दूसरी ओर वह बेबी बंप की तरफइशारा करती हैं। इस वीडियो में आप देख सकते हैं अभिनेत्री का लुक काफी चेंज सा लग रहा है। करीना कपूर ने मैक्सी पहनी हुई है। इसके अलावा हेयर स्टाइल भी कुछ अलग सा नजर आ रहा है। वहीं करीना ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टा स्टोरी पर साझा की है। इन फोटोज में अदाकारा पिंक टी-शर्ट में दिखाई दे रही हैं। करीना कपूर और सैफअली खान इसी महीने कभी भी पेरेंट्स बन सकते हैं। इस जोड़ी का बड़ा बेटा तैमूर है जो 4 साल का है। इसके अलावा सैफअली खान अब चौथी बार पिता बनेंगे क्योंकि उनकी पहली पत्नी अमृता सिंह से भी उनके दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हैं। बताते चले अपने प्रेग्नेंसी टाइम के वक्त करीना कपूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव दिखाई दी। इस दौरान करीना ने अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग पूरी की साथ ही अलग-अलग विज्ञापनों की शूटिंग भी करी। काम के अलावा करीना कपूर अपने प्रेगनेंसी पीरियड में अक्सर दोस्तों और फैमिली संग पार्टी करती दिखीं। इतना ही नहीं पिछले साल नवंबर और दिसंबर के टाइम वो सैफ अली खान और तैमूर संग हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में वेकेशन एन्जॉए करने गई थीं। वहीं सैफ अली खान की बात करे तो उनकी हाल ही में वेब सीरीज तांडव रिलीज हुई थी,जिसको लेकर काफी बवाल भी खड़ा हुआ था। फ्लिहाल सैफ अपनी अगली फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No.
UPHIN/2010/33668
Email Id.
andazelucknow@gmail.com
उप सम्पादक: मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला,
छायाकार : सदफ हसन ¼शान½
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।